GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
Special Issue: 1
June: 2026

सामाजिक सरोकार में मोबाइल पत्रकारिता (MOJO) की भूमिका: एक अध्ययन

डॉ. ललित कुमार

सहायक प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष

पत्रकरिता एवं जनसंचार विभाग, इन्वर्टिस विश्वविद्यालय, बरेली

ईमेल- medialalit@gmail.com

सारांश:

हिंदी पत्रकारिता के शुरुआत का सफ़र भले ही बहुत कठिन रहा हो, लेकिन वर्तमान की आधुनिक पत्रकारिता ने कही न कहीं शुरूआती पत्रकारिता के दौर को नेपथ्य में डाल दिया हैं। वर्तमान पत्रकारिता जिस चरण से गुजर रही है, उसने पत्रकारिता के पूरे फॉर्मेट को ही बदलकर रख दिया हैं। उदन्त मार्तंड के शुरुआती सफ़र से लेकर वर्तमान पत्रकारिता में बहुत से बड़े बदलाव हो चुके है। यानी हर काल खंड में तकनीकीकरण ने पत्रकारिता को सनसनीखेज, पेज थ्री, टेबलायड, पेड न्यूज़, गोशिप, और फेक न्यूज़ के दौर से गुजरने पर मजबूर कर दिया है। रंगीन होती हिंदी पत्रकारिता एक नए दौर से गुजर रही है। स्मार्ट फोन के दौर में स्मार्ट होती जनता तकनीक के साथ कदमताल करती हुई भी देखी जा सकती है। यानी जिसे नागरिक पत्रकारिता कहा जाता है। मोबाइल यूजर अपने मोबाइल के ज़रिए देश दुनिया के सामने अब जनता की आवाज़ बनकर उनके हक-अधिकार के लिए खड़ा हो चुका है।

मोबाइल पत्रकारिता (MOJO) सारी बंदिशे लांघकर अब एक नए किस्म का वैकल्पिक मीडिया खड़ा कर रहा हैं। दुनिया भर में स्मार्टफोन मोबाइल नेटवर्क सदस्यता 2025 में लगभग 7.3 बिलियन तक पहुंच गई है, जो वैश्विक आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा है। शोध अध्ययन से पता चलता है कि वर्ष 2025 तक, लगभग 72% लोग इंटरनेट एक्सेस के लिए केवल स्मार्टफोन का उपयोग करते है। यानी दुनिया में कहीं भी कुछ घटना घटती है, तो सबसे पहले खबर उनको अब वैकल्पिक मीडिया के ज़रिए ही मिलती हैं। स्मार्टफोन यूजर्स अब इतना अलर्ट हैं, अगर उसे लगता है कि आसपास कुछ गलत हो रहा है, तो वह उस घटना की विडियो बनाकर तुरंत संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड कर देता हैं। यानी मोबाइल यूजर्स की पहुंच से अब कुछ बचा नही हैं। जिस मोबाइल को यूजर्स आज से लगभग दो दशक पहले फ़ोन को केवल आवाज़ सुनने का माध्यम समझते थे। अब वही मोबाइल उनके सामाजिक सरोकार का हिस्सा बनता जा रहा है।

बीज शब्द: मोबाइल, तकनीकी, नागरिक, पत्रकारिता, रोजगार, सोशल मीडिया, वैकल्पिक मीडिया ।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
Special Issue: 1
June: 2026

प्रस्तावना:

मोबाइल पत्रकारिता, जिसे मोजो या मोबाइल रिपोर्टिंग के रूप में भी जाना जाता है, डिजिटल पत्रकारिता का वह एक रूप है, जिसने पत्रकारिता के पूरे क्षेत्र में क्रांति ला दी। मोबाइल पत्रकारिता की शुरुआत और उसका विकास इंटरनेट के विकास के बराबर है। जैसे-जैसे इंटरनेट विकसित हुआ, वैसे नहीं नई तकनीकें नए आविष्कार के रूप में सामने आती गयी, लेकिन उसी के समान्तर मोबाइल तकनीकी में क्रांति आ गई। कम समय में बड़ी संख्या में लोगों को जल्दी से जल्दी सूचना भेजने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए। मोबाइल ने तकनीकी ने अपना एक मुकाम हासिल किया गया, जिसने दुनिया के सामने मोबाइल पत्रकारिता के विशाल और व्यापक दायरे में अपनी पहुँच बनाई ।

पिछले दो दशकों में कई तकनीकी नवाचारों के कारण पत्रकारिता में एक बड़ा बदलाव हुआ है, लेकिन नई तकनीकी के आने से आधुनिक पत्रकारिता को बहुत लाभ भी मिला। पारंपरिक पत्रकारिता में लगातार परिवर्तन होने से मोबाइल पत्रकारिता ने मीडिया दर्शकों की अपेक्षाओं को पूरा किया है, विशेष रूप से विश्वसनीयता और समय के संदर्भ में। तकनीकी विकास के बीच, डिजिटल प्रौद्योगिकी और वाई-फाई के साथ-साथ स्मार्ट फोन के उद्भव ने पत्रकारिता को पूरी तरह बदल दिया। स्मार्टफोन न केवल समाचार उपभोग के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, बल्कि यह पत्रकारों के लिए एक पॉकेट-साइज़ मीडिया हब भी प्रदान करता है।

मोबाइल पत्रकारिता अब पत्रकारिता करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। एक स्मार्टफोन के साथ, पत्रकारों को समय पर और सुरक्षित तरीके से लगभग किसी भी कहानी को कवर करने का अधिकार देता है। मोबाइल पत्रकारिता पत्रकार को अक्सर आने वाली चुनौतियों और बाधाओं को दूर करने में सक्षम बनाता है, जो अक्सर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सूचना तक पहुंच को मजबूत करता है। मोबाइल पत्रकारिता हर क्षेत्र में सिंगल रिपोर्टर के साथ खबर को कवर करने में सक्षम बनाती है।

आज हर विषम परिस्थिति में मोबाइल पत्रकारिता बेहतर रिपोर्टिंग करने का टूल उभरकर सामने आया हैं। स्मार्टफोन को अपनी जेब में रखकर कोई भी पत्रकार अब केबल, कनेक्शन, बड़े कैमरे या उपग्रह प्रसारण संबंधित उपकरण से लगभग से मुक्त हो चुका है। अत्याधुनिक कैमरों, ऐप्स और ऐड-ऑन उपकरणों का विकास, पत्रकारों को अपनी रचनात्मकता का पता लगाने और न केवल संकट या उच्च जोखिम वाली स्थितियों में अपने स्मार्टफोन का उपयोग करने की अनुमति देता है, बल्कि दर्शकों को लगातार उच्च गुणवत्ता वाली ख़बरें भी प्रदान करने में मदद करता है । ब्लैंकेनशिप जेसी (2016) के अनुसार, मोबाइल पत्रकारों का विशेषज्ञ ज्ञान कम विशेषीकृत (less specialized) है। इसके अलावा, हालांकि मोबाइल पत्रकारों को लगता था कि क्रू के बाहर काम करना उन्हें अधिक स्वायत्तता

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
Special Issue: 1
June: 2026

(autonomy) देता है, उनके कार्य प्रक्रियाओं (work routines) के बढ़ते उपयोग से संकेत मिलता है कि उन्होंने कुछ नियंत्रण संगठनात्मक आवश्यकताओं को पूरा किया है। इसके अलावा, इस बात के प्रमाण हैं कि इन मोबाइल पत्रकारों ने अपने कार्यों को निर्धारित समयसीमा और सीमित संसाधनों के भीतर पूरा करने के लिए अन्य पेशेवरों, विशेष रूप से जनसंपर्क (public relations) पेशेवरों, के कुछ हस्तक्षेप की अनुमति दी है'।[1]

मैनसेल (2012) के अनुसार, मोबाइल पत्रकारिता ने अपनी अंतर्निहित गति और दक्षता के कारण समाचार संगठनों के बीच काफी लोकप्रियता हासिल की है। मोबाइल पत्रकारिता की बढ़ती लोकप्रियता के परिणामस्वरूप, लगभग हर समाचार मीडिया आउटलेट अब मोबाइल प्लेटफॉर्म पर अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए रखता है ताकि ब्रेकिंग न्यूज़ देने में प्रतिस्पर्धियों से आगे निकल सके। इसके अलावा, पारंपरिक पत्रकार भी समाचारों को तेजी से प्रसारित करने के लिए मोबाइल और सोशल मीडिया अनुप्रयोगों को तेजी से अपना रहे हैं। यह प्रवृत्ति हाल की घटनाओं में विशेष रूप से स्पष्ट रही है।[2]

इंटरनेट के उदय ने पत्रकारिता की कार्यप्रणाली और दिनचर्या में महत्वपूर्ण परिवर्तन आये। पारंपरिक पत्रकारिता के तरीकों में बदलाव के अलावा, मोबाइल पत्रकारिता ने पत्रकारों को ज्यादा प्रतिस्पर्धी वातावरण में तेजी और कुशलतापूर्वक काम करने के लिए नए तकनीकी कौशल हासिल करने में मदद की है। नेरोन और बार्न)2003) और लुले (2002) ने पारंपरिक मीडिया के कई पहलुओं पर ध्यान दिया है; हालांकि, पावलिक ने चौबीसों घंटे चलने वाले डिजिटल वातावरण के उदय के कारण इन पहलुओं में आए भारी बदलावों पर प्रकाश डाला है। दुनिया भर में समाचार संगठनों के न्यूज़ रूम तेजी से बदल रहे हैं, इसी तरह आज दुनिया न्यू टेक्नोलॉजी के नजरिए से पत्रकारिता का अनुभव कर रही है। मोबाइल पत्रकारों को पत्रकारिता के क्षेत्र में एक क्रांति के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि पत्रकारों की यह नई पीढ़ी सुव्यवस्थित कार्यालयों पर निर्भर नहीं है। इसके बजाय, वे सहजता से काम करते हैं, बिना किसी निर्धारित तय समय सीमा के।[3]

मोजो (MOJO) का समकालीन महत्व:

यह आधुनिक पत्रकारिता का सबसे परिवर्तनकारी युग है. मोबाइल पत्रकारिता का उदय इक्कीसवी सदी की पत्रकारिता की वो धुरी बन चुकी है, जिसके चारों ओर सूचनाओं का अम्बार खड़ा होता है. यानी अब यही माध्यम तय करने लगा है कि कौन-सी सूचना पहले भेजनी है और कौन-सी बाद में. मोजो समाचार उत्पादित करने और प्रसारित करने का टूल बनता जा रहा हैं। इसकी भूमिका और महत्व को समझना पत्रकारों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं और मीडिया संगठनों के लिए आवश्यक है, ताकि तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र के अनुकूल हो।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
Special Issue: 1
June: 2026

अकादमिक महत्व- इस क्षेत्र में डिजिटल पत्रकारिता और मीडिया नवाचार पर साहित्य के बढ़ते निकाय में योगदान देता है। जिसकी समझ एक व्यापक होने के साथ साथ मोजो ने पारंपरिक समाचार कक्ष संचालन, रिपोर्टिंग और कहानी कहने के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। पत्रकारों, छात्रों और मीडिया पेशेवरों के अनुभवों और धारणाओं का विश्लेषण करके, शोध संचार और मीडिया अध्ययनों में समाचार पत्र निर्माण और तकनीकी अभिसरण के क्षेत्र में।

II. **व्यावसायिक महत्व-** पेशेवर दृष्टिकोण से मोबाइल पत्रकारिता डिजिटल युग में पत्रकारों के लिए आवश्यक कौशल को बदल रही है। यह तकनीकी रूप से अनुकूलनीय, रचनात्मक और नैतिक रूप से जिम्मेदार होने के महत्व पर जोर देता है। मीडिया संगठनों को अपने संवाददाताओं को मोबाइल उपकरणों का कुशलता से उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन कर सकते हैं, जिससे समाचार रिपोर्टिंग की गुणवत्ता, सटीकता और समयबद्धता में सुधार हो सकता है।

III. **सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व**- मोबाइल पत्रकारिता ने आम नागरिकों को योगदानकर्ताओं और चश्मदीद गवाहों के रूप में कार्य करने के लिए सशक्त किया है, जिससे लोकतांत्रिक संचार को मजबूती मिली है। भारत जैसे विविध देश में जहां ग्रामीण और शहरी आबादी की पहुंच अक्सर मेनस्ट्रीम मीडिया तक असमान है, लेकिन मोजो ने स्थानीय आवाजों को राष्ट्रीय और वैश्विक दर्शकों के बीच डिजिटल डिवाइड गैप को कम करने का काम किया है।

IV. **तकनीकी महत्व**- वर्तमान नई प्रौद्योगिकी मीडिया परिवर्तन को कैसे संचालित करती है। स्मार्टफोन और मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग ने पत्रकारिता को तेज और अधिक लागत प्रभावी बना दिया है। हालाँकि, यह डेटा सत्यापन, सामग्री की गुणवत्ता और डिजिटल नैतिकता के बारे में भी सवाल उठाता है। यह अध्ययन इन तकनीकी चुनौतियों की पहचान करने और मोबाइल पत्रकारिता की विश्वसनीयता में सुधार के उपायों का सुझाव देने में मदद करेगा।

V. **शैक्षिक महत्व**- पत्रकारिता के छात्रों और शिक्षकों के लिए, यह शोध शैक्षणिक पाठ्यक्रम में मोबाइल पत्रकारिता प्रशिक्षण को एकीकृत करने की बढ़ती आवश्यकता पर जोर देता है। यह मीडिया शिक्षा कार्यक्रमों को तैयार करने के लिए एक आधार प्रदान करता है, जो भविष्य के पत्रकारों को डिजिटल न्यूज़रूम में आवश्यक व्यावहारिक डिजिटल कौशल, नैतिक जागरूकता और नई सोच प्रदान करने में मदद करता है।

मोबाइल पत्रकारिता: सामाजिक सरोकार से जुडाव

मोबाइल पत्रकारिता नागरिक पत्रकारिता का वह रूप है जो 'उन व्यक्तियों द्वारा समाचार घटनाओं की रिपोर्टिंग करने में मदद करती हैं. जिनके पास औपचारिक पत्रकारिता प्रशिक्षण नहीं होता, अक्सर जानकारी साझा करने के

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
Special Issue: 1
June: 2026

लिए इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग करते हैं। वर्ष 2000 के दशक की शुरुआत में नागरिक पत्रकारिता ने जनता की ओर ध्यान आकर्षित किया, जो पारंपरिक मीडिया आउटलेट्स के लिए एक जवाब था, जो कुछ कहानियों या दृष्टिकोण के साथ कंटेंट को अपने पाठकों और दर्शकों के साथ साझा करता है। नागरिक पत्रकार आम तौर पर सामान्य लोग होते हैं, जो आपदाओं और राजनीतिक संकटों में महत्वपूर्ण घटनाओं पर रिपोर्ट करते हैं, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया का उपयोग करके वास्तविक समय के अपडेट और फुटेज का प्रसार करते हैं। नागरिक पत्रकारिता बदल गई है कि इक्कीसवीं सदी में समाचारों की उत्पत्ति कहाँ और कैसे होती है। हजारों वैकल्पिक समाचार साइटें इंटरनेट पर उभरी हैं, और लाखों लोग अपने स्वयं के ब्लॉग, सोशल मीडिया साइटों और सबस्टैक जैसे प्लेटफार्मों द्वारा प्रबंधित समाचार पत्रों को बनाए रखते हैं। पत्रकारिता प्रशिक्षण के बिना लोग ब्रेकिंग न्यूज पर रिपोर्ट करने और इसे वैश्विक स्तर पर और तुरंत इंटरनेट पर फैलाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं। नागरिक अपने स्मार्टफोन का उपयोग लाइव कार्यक्रमों की तस्वीरें लेने और फिल्माने के लिए करते हैं और सोशल मीडिया साइटों पर उनका वर्णन करते हैं'।[4]

दूसरी ओर, 'नागरिक पत्रकारिता कोई पेशा नहीं है-यह एक काम है। इसे "सहभागी पत्रकारिता" या "उपयोगकर्ता-जनित सामग्री" (यूजीसी) के रूप में भी जाना जाता है। यह तब होता है जब आम नागरिक, जो प्रशिक्षित पत्रकार नहीं होते हैं, समाचार-योग्य घटनाओं को पकड़ने और साझा करने के लिए एक ही मोबाइल तकनीक का उपयोग करते हैं। यहाँ प्रेरक शक्ति एक संपादक का कार्य नहीं है; यह सही समय पर सही जगह पर होना है। जब कोई विमान हडसन नदी में उतरता है, तो शहर के एक चौक में विरोध प्रदर्शन होता है, या पड़ोस में अचानक बाढ़ आ जाती है, तो घटनास्थल पर पहले "रिपोर्टर" लगभग हमेशा अपने स्मार्टफोन वाले नागरिक होते हैं। वे फिल्म बनाते हैं, पोस्ट करते हैं, ट्वीट करते हैं। वे साझा करने, दस्तावेज़ बनाने या दूसरों को सचेत करने के लिए एक आवेग से प्रेरित होते हैं। उनका योगदान कच्चा, तत्काल और अनफ़िल्टर्ड है। यह प्रथम-व्यक्ति के दृष्टिकोण से "जमीनी सच्चाई" है'।[5]

वैकल्पिक मीडिया के तौर पर कुछ यू ट्यूब न्यू चैनल जिनकी व्यूवर शिप लाखों एवं करोड़ों में है उनमें से कुछ चैनलों की सूची इस प्रकार है -

1. रवीश कुमार (Ravish Kumar Official): 'वरिष्ठ पत्रकार रवीश कुमार का यह चैनल स्वतंत्र पत्रकारिता का प्रमुख उदाहरण है। जो राजनीति, लोकतंत्र, मीडिया आलोचना और सामाजिक मुद्दों पर गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है। इस यू ट्यूब चैनल की प्रमुख **रूप से** लंबी, रिसर्च आधारित और तथ्यात्मक वीडियों का कंटेंट विश्लेषण करता है जिसके सब्सक्राइबर की संख्या लगभग 1.4 करोड़ (14+ मिलियन) से अधिक है' ।[6]

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
Special Issue: 1
June: 2026

2. अजीत अंजुम ऑफिशियल (Ajit Anjum Official): पूर्व टीवी पत्रकार अजीत अंजुम का चैनल जमीनी रिपोर्टिंग और राजनीतिक विश्लेषण के लिए जाना जाता है। यह चैनल फील्ड रिपोर्टिंग, चुनावी ग्राउंड रिपोर्ट, आम जनता के जुड़े मुद्दे पर गहरी समझ के साथ अपनी राय रखता है । इस चैनल के सब्सक्राइबर की संख्या लगभग 70–80 लाख (7–8 मिलियन) से अधिक है ।[7]

3. द वायर हिंदी)The Wire Hindi) : 'The Wire हिंदी यूट्यूब चैनल, जो स्वतंत्र डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी अच्छी खासी पहचान रखता है। इस चैनल की विशेषता खोजी पत्रकारिता, एक्सप्लेनर वीडियो, राजनीतिक और सामाजिक विश्लेषण के रूप में । जिसके सब्सक्राइबर लगभग 59.4 लाख (5 मिलियन) से ज्यादा है' ।[8]

4. मोजो स्टोरी)Mojo Story): 'वरिष्ठ पत्रकार Barkha Dutt द्वारा संचालित डिजिटल न्यूज़ प्लेटफॉर्म। मोजो स्टोरी की विशेषता ग्राउंड रिपोर्टिंग, मानव-केन्द्रित कहानियाँ, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मुद्दों से सम्बंधित विश्लेषण पर आधारित है। जिसके सब्सक्राइबर लगभग 20.9 लाख (2 मिलियन) से अधिक है. ।[9]

5. डेकोडर)Prannoy Roy) : 'Prannoy Roy जैसे वरिष्ठ पत्रकारों की विश्लेषण शैली से जुड़े डिजिटल कंटेंट/शो (NDTV पृष्ठभूमि)। इस चैनल की प्रमुख विशेषता डेटा-आधारित विश्लेषण, चुनावी और आर्थिक रिपोर्टिंग। जिसके सब्सक्राइबर NDTV समूह चैनलों के साथ मिलाकर 10–20 लाख+ (विभिन्न प्लेटफॉर्म पर) है' ।[10]

सीजीनेट स्वरा: आम आदमी की आवाज़ का एक नया प्लेटफार्म

'सीजीनेट स्वरा एक भारतीय आवाज-आधारित ऑनलाइन पोर्टल है, जो छत्तीसगढ़ के जंगलों में लोगों को फोन कॉल करके गोंडी में स्थानीय समाचारों की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाता है। यह पोर्टल मोबाइल फोन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध है। उपयोगकर्ता खबरें रिपोर्ट कर सकते हैं और मिस्ड कॉल देकर उन्हें सुन सकते हैं। रिपोर्ट की गई खबरों का पत्रकारों द्वारा संपादन किया जाता है और वे ऑनलाइन और फोन पर सुनने के लिए उपलब्ध हो जाती हैं। जिसकी स्थापना वरिष्ठ पत्रकार शुभ्रांशु चौधरी ने की थी। इस परियोजना के लिए चौधरी ने 2014 में इंडेक्स ऑन सेंसरशिप द्वारा दिए गए डिजिटल एक्टिविज्म अवार्ड में एडवर्ड स्नोडेन और चीन के फ्री वीबो को पीछे छोड़ दिया था' ।[11]

सीजीनेट स्वरा एक 'वॉयस रिस्पॉन्स (आईवीआर) सिस्टम शामिल है। कोई भी उपयोगकर्ता जो 8050068000 नंबर पर कॉल करता है, वह इंटरनेट से जुड़ जाता है। आईवीआर सिस्टम कॉल करने वालों को दो विकल्प देता है-

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
Special Issue: 1
June: 2026

संदेश रिकॉर्ड करना या रिपोर्ट सुनना। रिकॉर्डिंग पूरी होते ही मॉडरेटरों की एक टीम को सूचना मिल जाती है। वे संदेश सुनते हैं, तथ्यों की जाँच करते हैं, रिपोर्ट की पुष्टि करते हैं और उपयुक्त पाए जाने पर खबर प्रकाशित करते हैं। अधिकांश रिपोर्टें गोंडी भाषा में हैं- जो मध्य प्रदेश, गुजरात, तेलंगाना, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ आदि में रहने वाली गोंड जनजाति के लगभग बीस लाख लोगों द्वारा बोली जाती है।

सीजीनेट स्वरा महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना, राजस्थान और गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में कार्यरत है। उन्हें प्रतिदिन लगभग 1,500-2,000 श्रोताओं के कॉल आते हैं और 150-200 कॉल रिकॉर्डिंग करने के इच्छुक लोगों के होते हैं। प्रतिदिन पांच से दस कहानियां प्रकाशित की जाती हैं। उनका मुख्यालय अब रायपुर छत्तीसगढ़ में स्थित है और सभी रिपोर्टों की समीक्षा मॉडरेटरों की एक टीम द्वारा की जाती है। नई कहानी प्रकाशित होने पर उपयोगकर्ताओं को एसएमएस भेजा जाता है।[12]

मोबाइल पत्रकारिता के लाभ और हानियाँ:

'उपकरणों और सोशल मीडिया की क्षमता मोबाइल पत्रकारिता का एक स्पष्ट लाभ है। अब जनता समाचारों के विकास में पहले से कहीं अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकती है। लोग पाठ, चित्र और वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से अपनी बात रखकर नागरिक पत्रकारिता में भाग ले सकते हैं। प्रत्यक्षदर्शी और प्रत्यक्ष अनुभव से प्राप्त कहानियाँ वैश्विक चिंताओं पर ऐसे प्रकाश डालती हैं जो पहले संभव नहीं थे। मोबाइल पत्रकारिता के तमाम फायदों के बावजूद, गोपनीयता, नैतिकता और ईमानदारी से जुड़ी चिंताएं इसके विकास के संभावित नकारात्मक पहलू बनी हुई हैं।

सोशल मीडिया जल्द ही गलत या भ्रामक जानकारी से भर सकता है। आज, स्मार्टफोन रखने वाला कोई भी व्यक्ति वीडियो शूट या ऑडियो रिकॉर्ड कर सकता है, लेकिन किसी भी व्यक्ति द्वारा जानकारी अपलोड करने, ट्वीट करने या साझा करने की क्षमता के कारण, बनाई और प्रसारित की जाने वाली सामग्री पर नियंत्रण की कमी हो जाती है। मोबाइल पत्रकारिता की सुलभता के कारण, संवेदनशील या हिंसक सामग्री भी प्रसारित हो सकती है। इसके अलावा, उन देशों में जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रतिबंधित या दमित है, वहां सूचना का तेजी से प्रसार समस्याग्रस्त हो सकता है। हांगकांग में प्रदर्शनकारियों को गुमनाम रहने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि चीनी सरकार चीनी नियंत्रण के खिलाफ हर विरोध प्रदर्शन को गैरकानूनी सभा मानती है। कैमरे में कैद होना भी गैर-कानूनी सजा का कारण बन सकता है। अब तक पकड़े गए लोगों को गिरफ्तारी, मारपीट और इंटरनेट पर दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा है'।[13]

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
Special Issue: 1
June: 2026

निष्कर्ष

मोबाइल पत्रकारिता (MOJO) ने सामाजिक सरोकार के संदर्भ में पत्रकारिता की परिभाषा और प्रक्रिया को मौलिक रूप से बदल दिया है। आज एक साधारण स्मार्टफोन और इंटरनेट तक पहुँच से ही व्यक्ति घटनास्थल पर उपस्थित होकर वास्तविक समय में समाचार रिकॉर्ड कर सकता और सोशल मीडिया या न्यूज़ पोर्टलों के माध्यम से जनता तक पहुँचा सकता है। इससे न केवल भौतिक दूरी और रिपोर्टिंग के लिए बड़े उपकरणों की आवश्यकता कम हुई है, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों जैसे सामाजिक सरोकार वाले मुद्दों का भी त्वरित दृश्य-डॉक्युमेंटेशन संभव हुआ है।

MOJO ने नागरिक पत्रकारिता को नई बलवती शक्ति दी है, जिससे सामाजिक अन्याय, भ्रष्टाचार, पर्यावरणीय खतरे और आपदाओं की वास्तविक तस्वीर जनता तक तुरंत पहुँच जाती है। फिर भी, गति, सरलता और लो-कॉस्ट उपकरणों के इस लाभ के साथ-साथ विश्वसनीयता, नैतिकता और तथ्य-जाँच की चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं, जिससे गलत सूचना और छवियों के विकृत उपयोग का खतरा पैदा हुआ है।

अतः यह अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि मोबाइल पत्रकारिता सामाजिक सरोकार की दिशा में एक शक्तिशाली सहायक साधन है, लेकिन उसकी सकारात्मक भूमिका को सुनिश्चित करने के लिए पेशेवर नैतिकता, शैक्षणिक प्रशिक्षण और तथ्य-आधारित रिपोर्टिंग को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

संदर्भ सूची

1. https://www.tandfonline.com/doi/figure/10.1080/17512786.2015.1063080?scroll=top&needAccess=true --- ब्लैंकेनशिप जेसी (2016) , (Accessed: 24/03/2016, 12:30 PM)

2. https://researchoutput.csu.edu.au/en/publications/mobile-media-and-the-journalism-curriculum/(Accessed: 26/03/2016, 02:30 PM)

3. https://www.globalmediajournal.com/open-access/deciphering-mobile-journalism-an-allinclusive-definition-of-mobile-journalism-in-the-modern-era.php?aid=93399 (Accessed: 27/03 2016, 12:30 am)

4. https://www.defindia.org/%E0%A4%AC%E0%A4%A6%E0%A4%B2%E0%A4%A4%E0%A5%87%E0%A4%B8%E0%A4%AE%E0%A4%BE%E0%A4%9C%E0%A4%AE%E0%A5%87%E0%A4%82%E0%A4%AE%E0%A5%8B%E0%A4%AC%E0%A4%BE%E0%A4%

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
Special Issue: 1
June: 2026

87%E0%A4%B2%E0%A4%95%E0%A4%BE-%E0%A4%AC/ (Accessed: 06 /04 2016, 10:30 am)

5. https://journalism.university/development-journalism-for-social-change/mobile-journalism-rise-citizen-reporting/ , (Accessed 06 /04 2016, 10:38 am)

6. https://en.wikipedia.org/wiki/Ravish_Kumar?utm

7. https://www.reuters.com/world/india/critics-indias-modi-migrate-online-mainstream-media-stays-deferential-2024-04-18/?utm_source=chatgpt.com(Accessed: 06 /04 2016, 10:35 am)

8. https://www.youtube.com/@TheWireNews, (Accessed 06/04/2016, 11.42 pm

9. https://www.youtube.com/@mojostory , (Accessed 06/04/2016. 11.50 PM

10.https://www.youtube.com/@DeKoderAI, (Accessed 06/04/2016. 11.54PM

11. https://en.wikipedia.org/wiki/CGNet_Swara, (Accessed 07/04/2016/01.45 PM

12. https://thebetterindia.com/121295/cgnet-swara-phone-call-shubhranshu-choudhary/, (Accessed 07/04/2016/02.54 PM

13. https://www.bennett.edu.in/media-center/blog/what-is-mojo-mobile-journalism-and-advantages-of-pursuing-ba-mass-communication-at-bennett-university/